

गदिधों का समकालिक सर्वेक्षण

फरवरी 2023 में पक्षियों पर की गई पहली समकालिक जनगणना के अनुसार, तमलिनाडु, कर्नाटक और केरल में 246 गदिध वदियमान हैं।

- यह सर्वेक्षण केरल वन और वन्यजीव वभिग ने तमलिनाडु एवं कर्नाटक के साथ-साथ [पश्चिमी घाट](#) के चुनदिा क्षेत्रों में कथिा थ।

सर्वेक्षण की मुख्य वशिषताएँ:

- यह सर्वेक्षण [मुदुमलाई टाइगर रज़िरव \(MTR\)](#) और तमलिनाडु में [सत्यमंगलम टाइगर रज़िरव \(STR\)](#), केरल में [वायनाड वन्यजीव अभयारण्य \(WWS\)](#), [बांदीपुर टाइगर रज़िरव \(BTR\)](#) तथा कर्नाटक में [नागरहोल टाइगर रज़िरव \(NTR\)](#) सहति आसपास के क्षेत्र में कथिा गया थ।
 - मुदुमलाई टाइगर रज़िरव में कुल 98, सत्यमंगलम टाइगर रज़िरव में 2, वायनाड वन्यजीव अभयारण्य में 52, बांदीपुर टाइगर रज़िरव में 73 और नागरहोल टाइगर रज़िरव में 23 गदिध देखे गए।
- स्वयंसेवकों द्वारा [सफेद पूँछ वाले गदिधों \(183\)](#), [लंबी चोंच वाले गदिधों \(30\)](#), लाल सरि वाले गदिधों (28), मसिर के गदिधों (3), हमिलयन ग्रफिऑन (1) और सनिरयिस गदिधों (1) को देखा गया है।
- डाइक्लोफेनाक दावा के संपर्क में आने के कारण [गदिधों में 2000 के दशक से वनिाशकारी गरिावट देखी जा रही है](#), जसि मुख्य रूप से मवेशियों के लयि दर्द नवारिक के रूप में उपयोग कथिा जाता है, और वशिषज्जों का मानना है कजंगली शव की उपलब्धता में वृद्धि गदिधों को पनपने में मदद करने के लयि आवश्यक सबसे महत्त्वपूर्ण कदमों में से एक थ।

गदिध:

- **परचिय:**
 - यह बड़े मरे हुए जीव खाने वाले पक्षियों की 22 प्रजातयिों में से एक है जो मुख्य रूप से उषणकटबिंधीय और उपोषणकटबिंधीय क्षेत्रों में पाई जाती है।
 - वे [प्रकृतिक अपशषिट संग्राहक](#) के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण को अपशषिट से मुक्त रखने में मदद करते हैं।
 - वन्यजीवों की बीमारयिों को नयित्रण में रखने में भी गदिध महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिते हैं।
 - भारत गदिधों की 9 प्रजातयिों का नविस स्थान है, ये प्रजातयिों हैं- ओरएंटल व्हाइट-बैकड, लॉन्ग-बलिड, स्लेंडर-बलिड, हमिलयन, रेड-हेडेड, इजपिशीयन, बयिरड, सनिरयिस और यूरेशयिन ग्रफिऑन।
 - इन 9 प्रजातयिों में से अधकिांश पर वल्लिप्त होने का खतरा मंडरा रहा है।
 - बयिरड, लॉन्ग-बलिड, स्लेंडर-बलिड, ओरएंटल व्हाइट-बैकड प्रजातयिों [वन्यजीव संरक्षण अधनियिम, 1972](#) की अनुसूची-1 में संरक्षति है। बाकी 'अनुसूची IV' के तहत संरक्षति है।

[अंतरराष्टरीय परकृति संरक्षण संघ \(IUCN\):](#)

Sr. No.	Name of the Vulture Species	IUCN status	Pictorial Representation
1.	Oriental White-backed Vulture (Gyps Bengalensis)	Critically Endangered	
2.	Slender-billed Vulture (Gyps Tenuirostris)	Critically Endangered	
3.	Long-billed Vulture (Gyps Indicus)	Critically Endangered	
4.	Egyptian Vulture (Neophron Percnopterus)	Endangered	
5.	Red-Headed Vulture (Sarcogyps Calvus)	Critically Endangered	
6.	Indian Griffon Vulture (Gyps Fulvus)	Least Concerned	
7.	Himalayan Griffon (Gyps Himalayensis)	Near Threatened	
8.	Cinereous Vulture (Aegypius Monachus)	Near Threatened	
9.	Bearded Vulture or Lammergeier (Gypaetus Barbatus)	Near Threatened	



■ **खतरा:**

- मानवजनति गतिविधियों के कारण प्राकृतिक आवासों का नुकसान ।
- भोजन की कमी और दूषित भोजन ।
- वदियुत लाइनों से करंट लगने के कारण मौत ।

■ **संरक्षण के प्रयास:**

- हाल ही में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देश में गदिधों के संरक्षण के लिये एक [गदिध कार्ययोजना 2020-25](#) शुरू की है ।
 - यह **डिक्लोफेनैक का न्यूनतम उपयोग सुनिश्चित करेगा और गदिधों के मुख्य भोजन मवेशियों के शवों को वषिकृत होने से रोकेंगा ।**
- भारत में गदिधों की मौत के कारणों का अध्ययन करने के लिये वर्ष 2001 में हरियाणा के पजौर में एक गदिध देखभाल केंद्र (VCC) **स्थापित किया गया था ।**
- वर्ष 2004 में VCC को भारत में पहला गदिध संरक्षण और प्रजनन केंद्र (Vulture Conservation and Breeding Centre- **VCBC**) हेतु अद्यतन किया गया था ।
 - वर्तमान में भारत में **9 गदिध संरक्षण और प्रजनन केंद्र (VCBC)** हैं , जिनमें से 3 बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (Bombay Natural History Society- BNHS) द्वारा प्रशासित हैं ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: गदिध जो कुछ वर्ष पहले भारतीय ग्रामीण इलाकों में बहुत आम हुआ करते थे, आजकल कम ही देखे जाते हैं। इसके लिये ज़िम्मेदार है: (2012)

- (a) नई आक्रामक प्रजातियों द्वारा उनके घोंसले का वनाश
- (b) पशु मालिकों द्वारा अपने रोगग्रस्त मवेशियों के इलाज हेतु इस्तेमाल की जाने वाली दवा
- (c) उपलब्ध भोजन की कमी
- (d) व्यापक और घातक बीमारी ।

उत्तर: (b)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/synchronised-survey-of-vultures>